नए वर्ष (२०१८) स्नेह का वर्ष मनाते हुए स्नेह में समाने का अनुभव करें और अपने चेहरे द्वारा बाप (भगवान) और बच्चों के अनोखे मधुर मिलन की झलक दिखाना

५-१२-१७ की अव्यक्त वाणी के कुछ मुख्य अंश ।

- बाप और बच्चों के अमूल्य मिलन में सभी बाबा की लगन में मगन और प्रेम में कितना लीन हैं ।
- जैसे मोती माला में समा जाता है ऐसे सब बच्चे स्नेह के धागे में पिरोये हुए हैं । सभी ऐसे स्नेह में समाये हुए हैं जैसे मोती हार में समाया हुआ होता है ।
- इस समय हर एक अपने को चमकता हुआ मोती समझते हैं जो बाबा के हृदय में समाया हुआ है ।
- यह वर्ष है ही " स्नेह का वर्ष " सभी स्नेह में समाने का अनुभव करेंगे । सभी के दिलों में स्नेह का हीरा चमक रहा है जो अपना अनुभव करा रहा है ।
- इस अनोखे मधुर मिलन में आप तो बाप (भगवान) और बच्चे कैसे मिलते हैं उसका अनुभव कर रहे हो ।
- हर एक मन में यही गीत आ रहा है - हमने देखा, हमने पाया शिव भोला भगवान । वह कितना मीठा है, वर्णन करने जैसा ही नहीं है, समाने जैसा है ।
- स्वयं भगवान ने बच्चे दूढ़े और बच्चों को ऐसा योग्य बनाया जो कोई भी देखता है तो उनके मुख से आटोमेटिक गीत निकलता है वाह प्रभु के बच्चे वाह ! वाह बाबा वाह ! वाह मिलन वाह !

नये वर्ष को समाप्ति वर्ष, श्रेष्ठ वर्ष और दुनिया को जगाने का वर्ष, इस रूप में मनाओ

३१-१२-१७ की अव्यक्त वाणी के कुछ मुख्य अंश ।

- नये वर्ष को समाप्ति वर्ष,श्रेष्ठ वर्ष, दुनिया को जगाने का वर्ष माने और देखे कि कैसे यह वर्ष भी कमाल दिखाता है ।
- अपने नये संसार में जाने के लिए यही संकल्प करना है कि हमें पास तो होना ही है । दो पास, एक पास, पास (समीप) जाने की और दूसरी पास इम्तहान पास करने की, वह भी पास मिलनी ही है । बाबा चाहते हैं कि हर एक बच्चा अपने को किसी भी रीती से पास जरुर करें । इसके लिए अपने को चेक करो और भविष्य के ऊपर अटेंशन दो । पास करना अर्थात जो भविष्य है उसको पास करने के लिए इतना पुरुषार्थ करे जो यही भविष्य हमारे साथ रहे और सबके मुख से यही निकले पास पास पास । पता नहीं क्या होगा, कैसा होगा इसके विचार भले चले लेकिन ठहर नहीं जायें ।
- हर एक बच्चे की विजय निश्चित है । विजय तो है लेकिन यह अपने में आत्मविश्वास और परिवार में निश्चय को बढ़ा देती है । यही दोनों बातें अपने राज्य में काम में आयेंगी ।
- लक्ष्य और प्लैन के ऊपर अटेंशन थोड़ा ज्यादा रहे और सबको उसकी भासना आवे । लक्ष्य यही रखें कि होना ही है, हम बनने ही हैं । आप का पार्ट सिर्फ सहयोगी बनने का नहीं है लेकिन खुद अपने को लायक बनाना है । अभी यही संकल्प रखो कि अब राजधानी में क्या सीट लेनी है ।
- सभी पुरुषार्थ कर रहे हैं और सभी की बुद्धि में यही है कि हम नंबर जरुर लेंगे । पुरुषार्थ का स्वरुप दिखाई दे रहा है लेकिन सदा नहीं दिखाई देता । कभी कैसे, कभी कैसे, अभी इसको स्थिर करो और सब जोश दिखाओ हम सब तैयार हैं पेपर देने के लिए । अटेंशन थोड़ा देना पड़ेगा । पढ़ाई है ना । पढाई में अटेंशन दिया जाता है ।
- अपने को बाप समान भरपूर और सदा तैयार रखना । जो भी समय है उस समय में अपने को ऐसे ही तैयार करें जैसे बाप चाहते हैं, सर्वगुण संपन्न, ताज तख्तधारी है, ऐसे यह विशेषता हर एक बच्चा अपने में अनुभव करें । अभी भी समय है, जो कुछ रहा हुआ है वह सब अपने में धारण करके धारणा रूप का साक्षात्कार कराओ ।
- अभी क्या करें, कैसे होगा... नहीं । इसका क्वेश्चन पूछने की बात ही नहीं है । अभी बाप ने सबको हिम्मत दी है, उमंग दिया है तो उसी हिम्मत और उमंग इन दोनों को साथ लेकर सभी जल्दी - जल्दी आगे बढ़ो ।
- सभी को नये साल की मुबारक भी हो और इस नये साल में कदम आगे बढ़ाने का वरदान है।